



ईमानदारी का इनाम

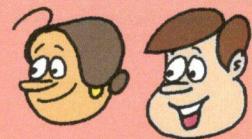


भ्रष्टाचार मुक्त भारत - विकसित भारत
सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2022

केन्द्रीय सतर्कता आयोग



ईमानदारी का इनाम



पार्क में

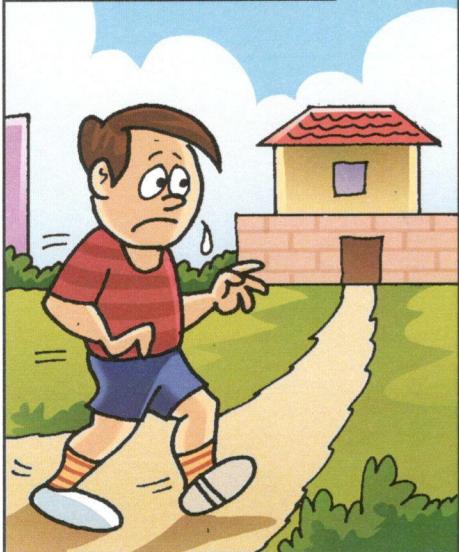
राजू तुम कभी अपनी
गेंद लेकर नहीं आते हो,
आज से हम तुम्हें नहीं
खिलाएंगे।



अब तुम
तभी खेलने आना जब
अपना गेंद बल्ला लेकर
आओगे।



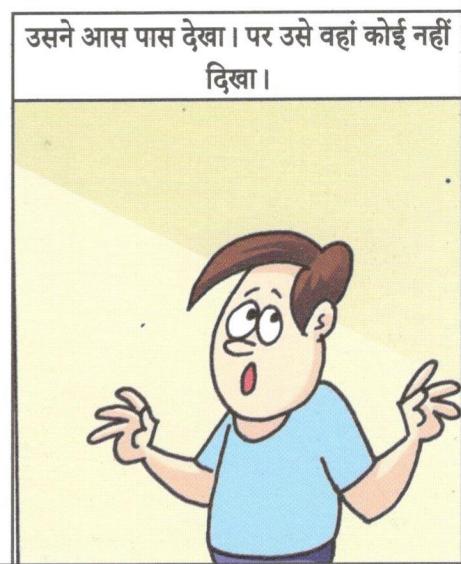
राजू रुआंसा सा होकर
घर आ गया। वह कितनी बार
अपने पापा से खिलौनों की
मांग कर चुका था।



सारे बच्चे कितने अच्छे
खिलौनों से खेलते हैं।

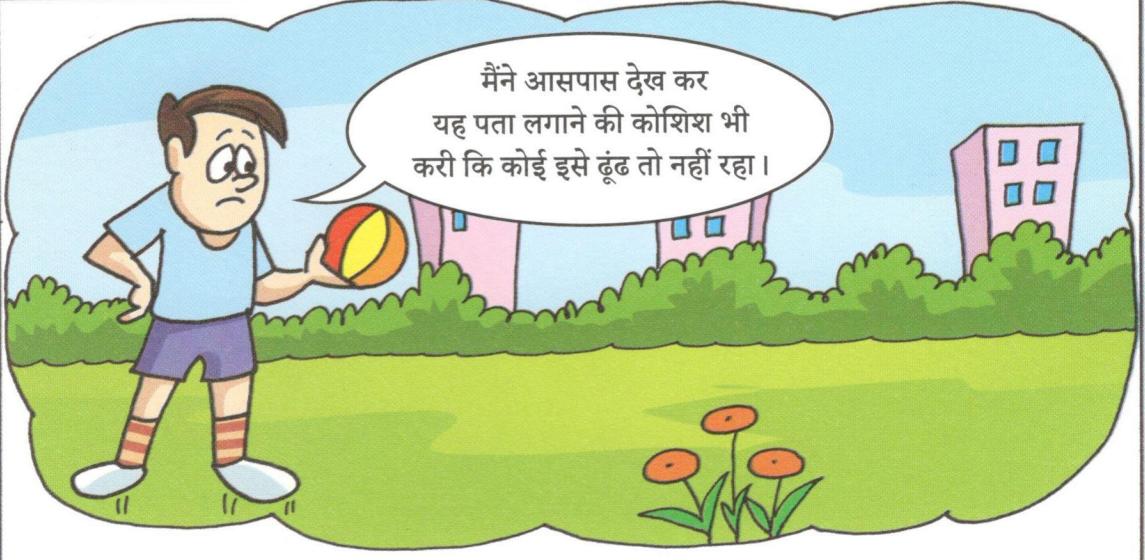
कम से कम
मुझे एक गेंद बल्ला
दिला दो।





क्यों न मैं इसे अपने और अपने छोटे भाई
काजू के लिए ले चलूँ।





मैंने आसपास देख कर
यह पता लगाने की कोशिश भी
करी कि कोई इसे ढूँढ तो नहीं रहा।



बेटा वो ठीक है, लेकिन यह किसी न
किसी बच्चे की तो है।



सोचो वह बच्चा कितना
दुखी होगा।
दूसरे की चीज़ ऐसे अपने पास
रखना उचित नहीं है।



पापा, तो हमें क्या करना
चाहिए? हमें कैसे पता लगेगा कि
यह गेंद किसकी है?



हमें सोसाइटी के
कार्यालय में इसे जमा करा
देना चाहिए। उसका ऑफिस
पार्क में ही है।



सोसाइटी के ऑफिस में

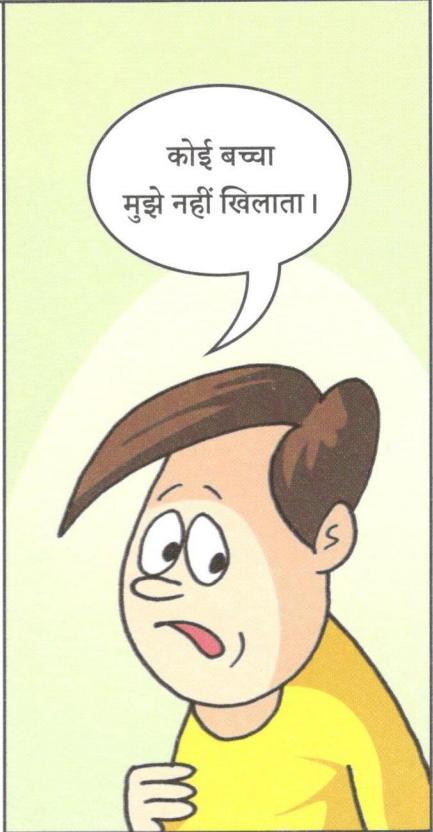
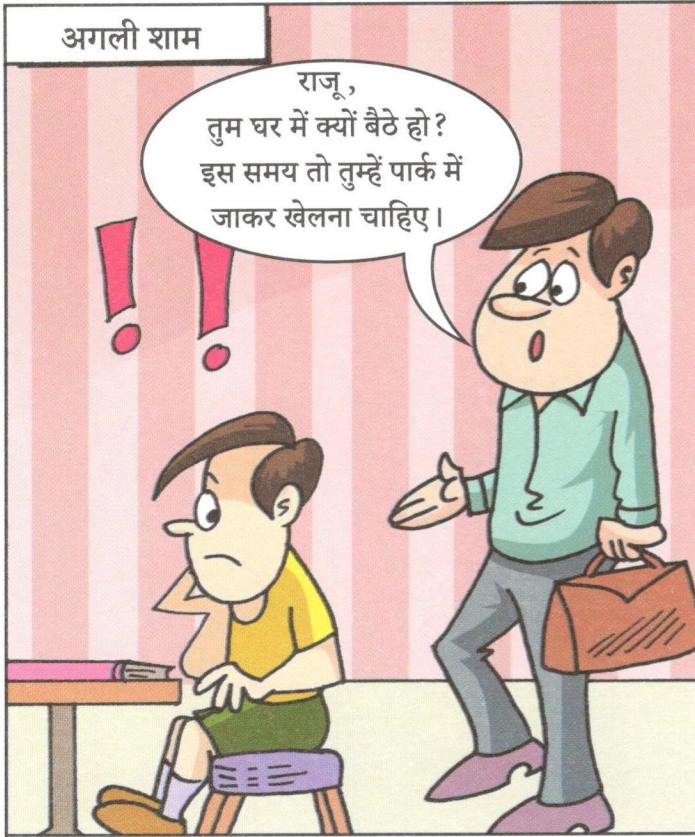
आपकी ईमानदारी के चर्चे पूरी सोसाइटी में है।
वरना इतनी छोटी सी चीज़ के लिए कौन परवाह करता है।



मैं सूचना पट्ट पर लिख देता हूँ,
जिस किसी की होगी हम उसे देंगे।

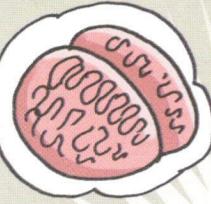


अगली शाम



उस से शरीर स्वस्थ होता है।
शरीर स्वस्थ रहेगा तो मस्तिष्क भी
स्वस्थ होगा।

तभी तुम
अच्छी तरह पढ़ाई
भी कर सकोगे।



राजू हर शाम दौड़ का
अभ्यास करने लगा

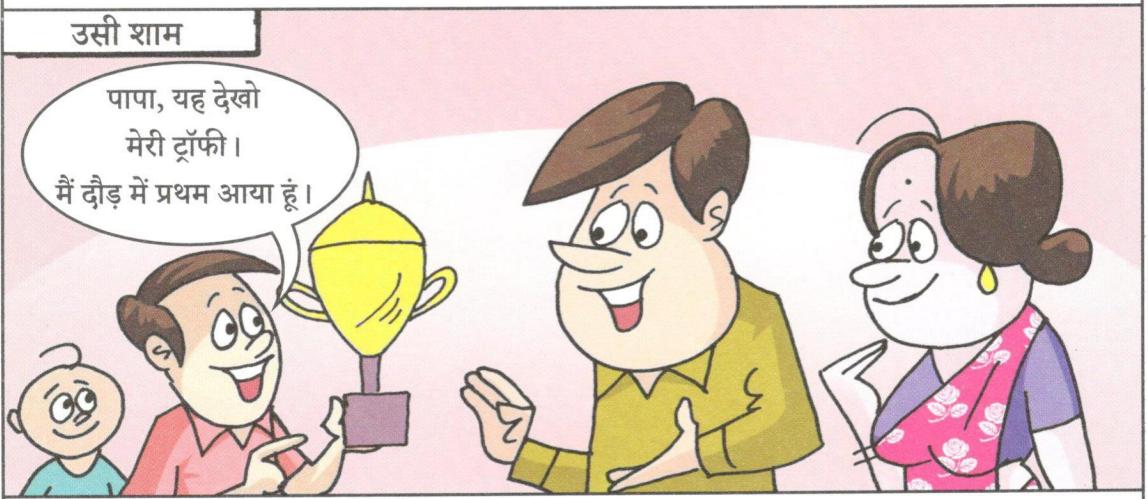


महीने भर बाद

राजू, आज
तुम कुछ भूल
तो नहीं रहे?

नहीं माँ।





तभी

सोसाइटी में रविवार को
गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित
किया जा रहा है।

अरे वाह! क्षेत्र के
विधायक जी मुख्य अतिथि हैं।
हम अवश्य चलेंगे।

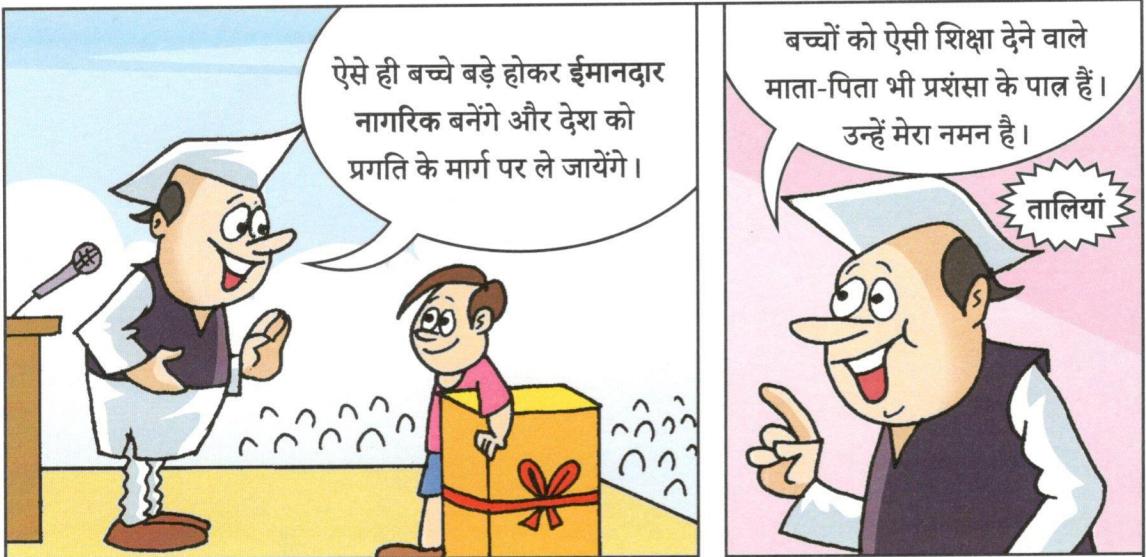


कॉलोनी के सबसे ईमानदार
निवासी होने का पुरस्कार और
उसके लिए मैं राजू और उसके
पिताजी को मंच पर आमंत्रित
करता हूँ।

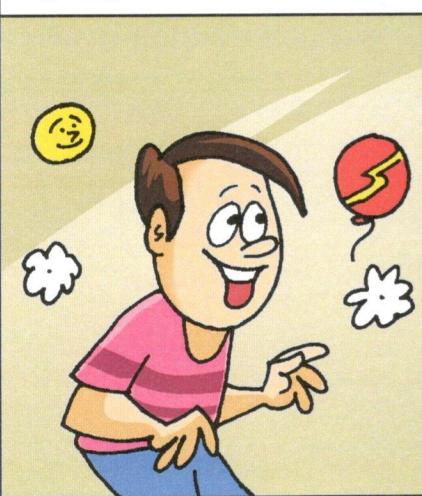


मुख्य अतिथि एक गिफ्ट हैं पर राजू को देते हैं, जिसमें गेंद बल्ला
भी होता है।

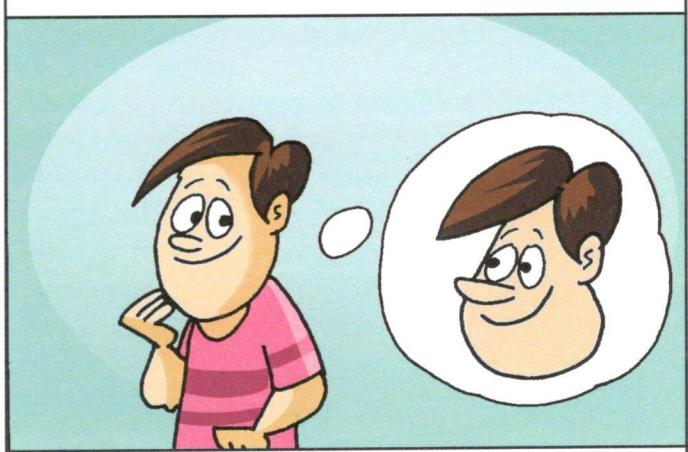




राजू की खुशी का कोई ठिकाना नहीं था।



उसे ईमानदारी का पुरस्कार तो मिला ही, उससे भी अधिक खुशी उसे अपने पिताजी के लिए थी, जिनकी सीख से उसे 2 - 2 इनाम मिले।



वाह !
अब मैं अपने दोस्तों के साथ
भी खेल सकता हूँ ।

हमें माफ़ कर दो राजू,
हमें तुम्हारे साथ ऐसा व्यवहार
नहीं करना चाहिए था ।

साथ ही हमने ये भी सीखा कि हमें
हमेशा ईमानदार बने रहना चाहिए ।



ईमानदारी का महत्व

- ईमानदार होने का अर्थ है सत्य का मार्ग अपनाना। यह व्यक्तिगत एवं सामाजिक आचरण की महत्ता को दर्शाता है।
- ईमानदारी नैतिक दृढ़ता प्रदान करती है।
- ईमानदारी हमें सत्य बोलने का साहस एवं आत्मविश्वास देती है।
- ईमानदारी की नींव पर ही भरोसेमंद और मज़बूत रिश्ते बनाए जा सकते हैं।
- आइये, हम ईमानदारी का रास्ता चुनें और अपने जीवन को सार्थक एवं विश्वसनीय बनाएं।
- आइये, हम बच्चों में भी ईमानदार बनने के गुण पर जोर दें, जिससे भविष्य में वे देश के अच्छे नागरिक बन सकें।



केन्द्रीय सतर्कता आयोग

सतर्कता भवन, ए-ब्लॉक, जीपीओ कॉम्प्लेक्स, आईएनए, नई दिल्ली - 110023

www.cvc.gov.in



के सहयोग से प्रकाशित

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा मुद्रित